LEAD

NEP

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020
के लिये एक मार्गदर्शिका

www.leadschool.in

विषय सूची

01	NEP 2020 की परिकल्पना	01
02.	संदर्भ	02
03.	मौलिक सिद्धांत	03
04.	नई 5+3+3+4 संरचना	04
05.	प्रारंभिक बाल्यावस्था की देखभाल और शिक्षा (ECCE)	05
06.	शिक्षा का संकट (निपुण भारत)	06
07.	मूलभूत साक्षरता और संख्यात्मकता (FLN)	07
08.	विद्यालय छोड़ने वाले बच्चों की संख्या कम करना	08
09.	पाठ्यक्रम एकीकरण: आवश्यक विषय, कौशल और क्षमताएं	09
10.	परिवर्तनकारी मूल्यांकन: परख	10
11.	बोर्ड परीक्षाएं	11
12.	शिक्षक: भर्ती और नियुक्ति	12
	क. सतत व्यावसायिक विकास (CPD)	13
	ख. करियर प्रबंधन और प्रगति (CMP)	14
13.	शासन और सामाजिक-आर्थिक रूप से वंचित समूह (SEDG)	15
14.	सारांश	16
15.	NEP के पथ पर अग्रसर	17

NEP 2020 की परिकल्पना

नई शिक्षा नीति का लक्ष्य विद्यार्थियों में **गहराई तक भारतीय होने का गौरव पैदा करना है**। यह गौरव न केवल उनकी सोच, बल्कि भाव, बुद्धि और कर्म में भी होना आवश्यक है। साथ ही इसका लक्ष्य उनमें ऐसे ज्ञान, कौशल, मूल्यों और प्रवृत्तियों का विकास करना है जो उन्हें मानवाधिकारों, सतत विकास, जीवन के मूल्यों और वैश्विक कल्याण हेतु प्रतिबद्ध बनाएं, ताकि वे सही अर्थों में एक वैश्विक नागरिक यानि ग्लोबल सिटीजन बन पाएं।

नई शिक्षा नीति सभी छात्रों को, उनके परिवेश की परवाह किए बिना, एक गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रणाली प्रदान करती है। इसके विशेष केंद्र में ऐतिहासिक रूप से उपेक्षित, वंचित और अल्प प्रतिनिधित्व वाले समूह हैं।

संदर्भ

।अगले दशक तक भारत में युवाओं की जनसंख्या विश्व में सर्वाधिक होगी और उन्हें उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा के अवसर प्रदान करने की हमारी क्षमता देश का भविष्य निर्धारित करेगी।

मानविकी और कला के क्षेत्र में मांग बढ़ेगी, क्योंकि भारत एक **विकसित देश** होने के साथ-साथ दुनिया की तीन सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में से एक बनने की राह पर है।

शिक्षण-शास्त्र को इस तरह विकसित करना है कि शिक्षा अधिक अनुभव-आधारित, समग्र, एकीकृत, पूछताछ को बढ़ावा देने वाली, खोज-उन्मुख, शिक्षार्थी-केंद्रित, चर्चा-आधारित, लचीली और आवश्यक रूप से आनंददायक हो। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 इस लक्ष्य को प्राप्त करने की दिशा में पहला कदम है।

मौलिक सिद्धांत

प्रत्येक छात्र की विशिष्ट क्षमताओं की पहचान करना और उन्हें बढ़ावा देना

2026-27 तक कक्षा 3 के सभी छात्रों के लिए मूलभूत साक्षरता और संख्यात्मकता प्राप्त करना

लचीलापन, सीखने की गति और कार्यक्रम चुनने की क्षमता

बहु-विषयक और एक समग्र शिक्षा, जिसमें कला और विज्ञान के बीच, पाठ्यक्रम और पाठ्येतर गतिविधियों के बीच और व्यावसायिक और शैक्षणिक वर्गों के बीच अलगाव की सख्ती नहीं

रटने और परीक्षा के लिए पढ़ने की बजाय विषयों की समझने पर जोर देना

तार्किक निर्णय लेने और नवीनता को प्रोत्साहित करने के लिए रचनात्मकता और आलोचनात्मक चिंतन

नैतिक और संवैधानिक मूल्यों की ओर झुकाव; जैसे- सहानुभूति, दूसरों के प्रति सम्मान, स्वच्छता, वैज्ञानिक दृष्टिकोण, स्वतंत्रता, बहुलवाद, समानता और न्याय

अध्ययन और अध्यापन में बहुभाषावाद और भाषा के सामर्थ्य को बढ़ावा देना

मौलिक सिद्धांत

संवाद, सहयोग, टीम वर्क और लचीलापन जैसे जीवन कौशल सिखाना

सीखने-सिखाने में आज की 'कोचिंग संस्कृति' को बढ़ावा देने वाले योगात्मक मूल्यांकन के बजाय नियमित रचनात्मक मूल्यांकन पर ध्यान देना

सीखने और सिखाने में तकनीक का व्यापक उपयोग

समानता और समावेशन, विविधता और स्थानीय संदर्भों के लिए सम्मान

शिक्षक और संकाय सीखने की प्रक्रिया के केंद्र में स्थित

लेखा-परीक्षण और सार्वजनिक प्रकटीकरण के माध्यम से शैक्षणिक प्रणाली की पवित्रता, पारदर्शिता और संसाधन दक्षता सुनिश्चित करने के लिए एक 'हल्का लेकिन कसा हुआ' नियामक ढांचा

एक मजबूत, जीवंत सार्वजनिक शिक्षा प्रणाली में पर्याप्त निवेश

आइए देखें कि इन सिद्धांतों को नई शिक्षा नीति में कैसे शामिल किया गया है और शुरू किए गए कार्यक्रमों के साथ-साथ नीति से जुड़े प्रमुख पहलुओं पर गहराई से विचार करें।

NEP 2020
स्कूल शिक्षा

नई 5+3+3+4 शैक्षणिक संरचना

वर्तमान में, 3-6 आयु वर्ग के बच्चे 10+2 संरचना में शामिल नहीं हैं क्योंकि 6 साल की आयु में कक्षा 1 शुरू होती है। नई 5+3+3+4 संरचना में, **प्रारंभिक बाल्यावस्था की देखभाल और शिक्षा (ईसीसीई) का एक मजबूत आधार भी 3 वर्ष की आयु से शामिल है**। इसका लक्ष्य बेहतर समग्र शिक्षा, विकास और कल्याण को बढ़ावा देना है।

पिछली शैक्षणिक संरचना

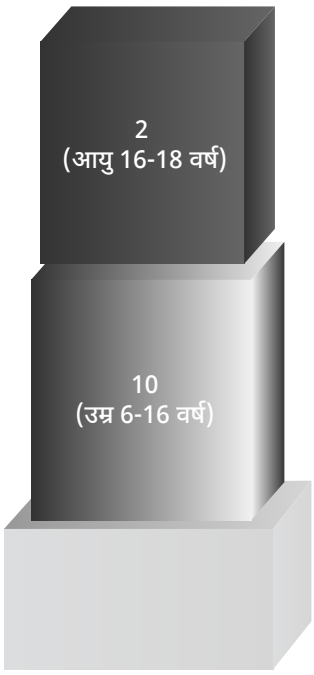

नई शैक्षणिक एवं पाठ्यक्रम संरचना

प्रारंभिक बाल्यावस्था की देखभाल और शिक्षा (ECCE)

सीखने की नींव

आवश्यकता

एक बच्चे के **मस्तिष्क** का **85% से अधिक संचित विकास 6 वर्ष** की आयु से **पहले** होता है। इसलिए प्रारंभिक बाल्यावस्था की देखभाल अत्यधिक महत्वपूर्ण है। वर्तमान में करोड़ों छोटे बच्चों को गुणवत्तापूर्ण ईसीसीई **उपलब्ध नहीं है**।

ECCE क्या है?

ईसीसीई में सैद्धांतिक रूप से निम्नलिखित प्रकार की शिक्षा शामिल है

- लचीली,
- बहुआयामी,
- बहु-स्तरीय,
- खेल-आधारित,
- गतिविधि-आधारित
- पूछताछ आधारित

उद्देश्य

निम्नलिखित क्षेत्र में ऐच्छिक परिणाम प्राप्त करने के लिए:

- शारीरिक और क्रियात्मक विकास
- संज्ञानात्मक विकास
- सामाजिक-भावनात्मक नैतिक विकास
- सांस्कृतिक/कलात्मक विकास
- बोलचाल और प्रारंभिक भाषा, साक्षरता और संख्यात्मकता का विकास

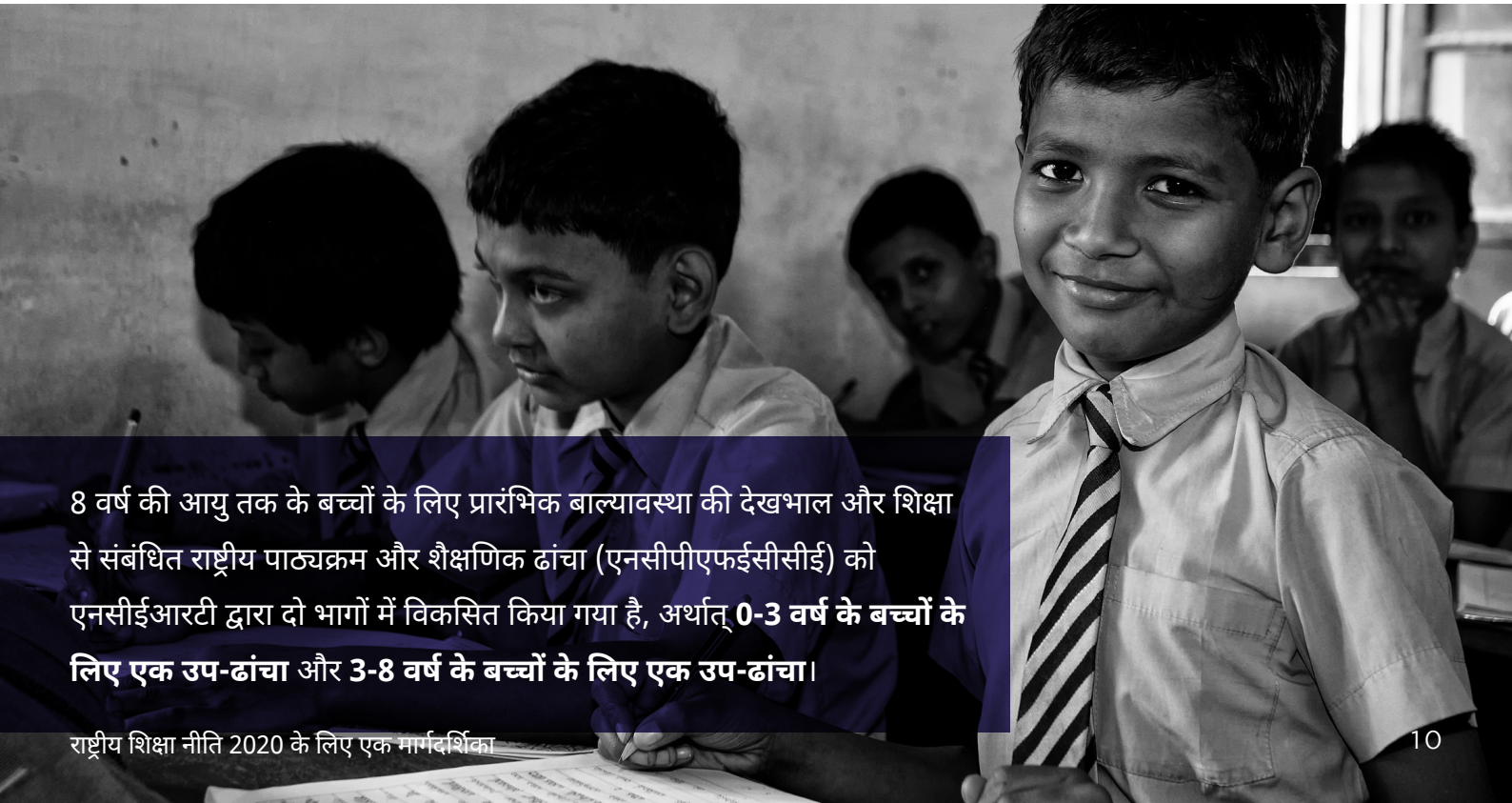

8 वर्ष की आयु तक के बच्चों के लिए प्रारंभिक बाल्यावस्था की देखभाल और शिक्षा से संबंधित राष्ट्रीय पाठ्यक्रम और शैक्षणिक ढांचा (एनसीपीएफईसीसीई) को एनसीईआरटी द्वारा दो भागों में विकसित किया गया है, अर्थात् **0-3 वर्ष के बच्चों के लिए एक उप-ढांचा** और **3-8 वर्ष के बच्चों के लिए एक उप-ढांचा**।

ECCE
कार्यान्वयन

इसका लक्ष्य यह सुनिश्चित करना है कि चरणबद्ध तरीके से **देश भर में उच्च गुणवत्ता वाले ईसीसीई** तक सबकी पहुंच हो। सामाजिक-आर्थिक रूप से वंचितों पर विशेष ध्यान दिया जाएगा।

ECCE कैसे वितरित किया जाएगा?

इसे प्रारंभिक-बाल्यावस्था से जुड़े शैक्षणिक संस्थानों की एक महत्वपूर्ण रूप से विस्तारित और मजबूत प्रणाली के माध्यम से वितरित किया जाएगा

क) स्वतंत्र आंगनवाड़ियां
ख) प्राथमिक विद्यालयों के साथ स्थित आंगनवाड़ियां
ग) कम से कम 5 से 6 वर्ष की आयु को सम्मिलित करने वाले पूर्व-प्राथमिक विद्यालय/अनुभाग जो मौजूदा प्राथमिक विद्यालयों के साथ ही स्थित हैं
घ) स्वतंत्र प्री-स्कूल - इन सभी के लिए ईसीसीई के पाठ्यक्रम और शिक्षणशास्त्र में विशेष रूप से प्रशिक्षित कार्यकर्ताओं/शिक्षकों की आवश्यकता होगी।

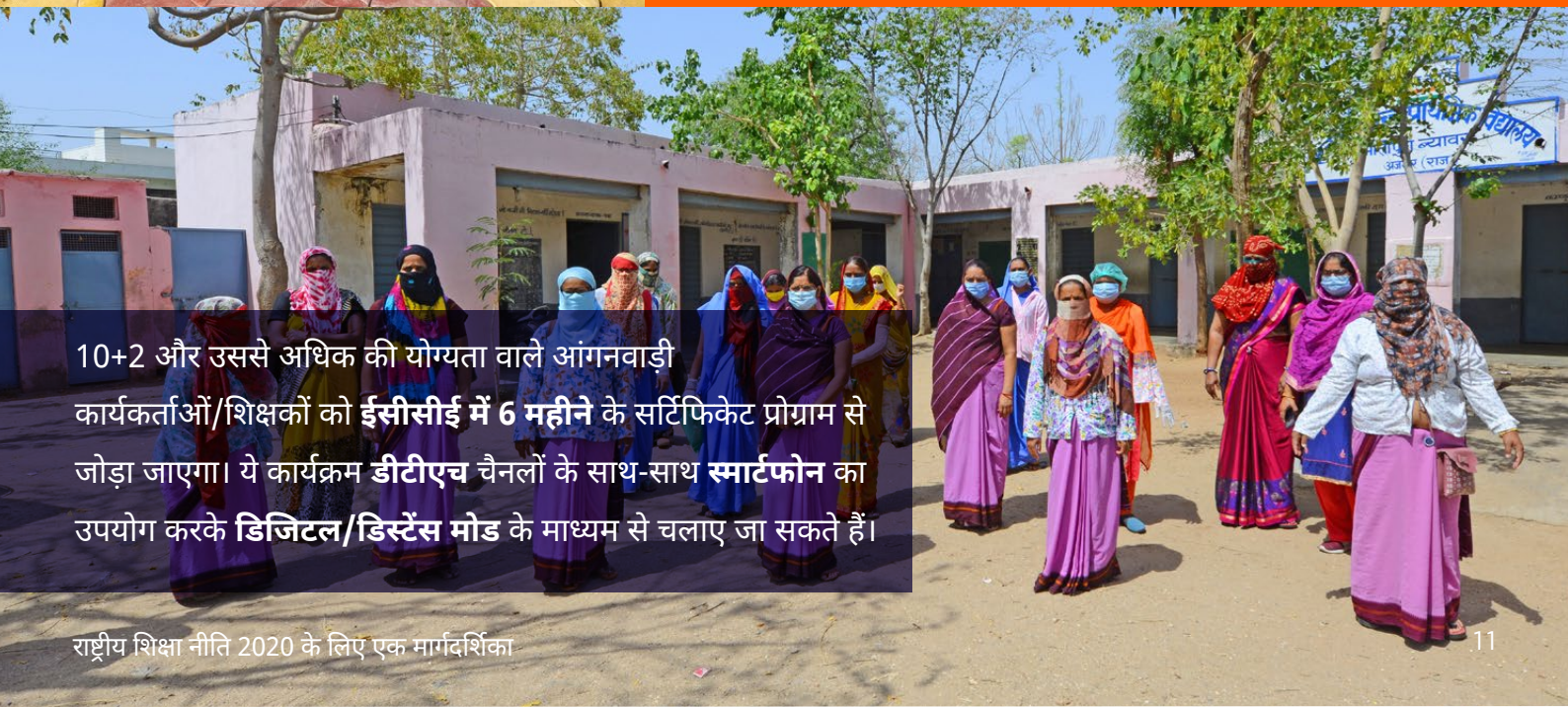

10+2 और उससे अधिक की योग्यता वाले आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं/शिक्षकों को **ईसीसीई में 6 महीने** के सर्टिफिकेट प्रोग्राम से जोड़ा जाएगा। ये कार्यक्रम **डीटीएच** चैनलों के साथ-साथ **स्मार्टफोन** का उपयोग करके **डिजिटल/डिस्टेंस मोड** के माध्यम से चलाए जा सकते हैं।

शिक्षा का संकट:
मूलभूत साक्षरता और संख्यात्मकता

वर्तमान में प्राथमिक विद्यालय में छात्रों का एक बड़ा हिस्सा - जिनकी संख्या अनुमानित रूप से **5 करोड़ से अधिक** है - मूलभूत साक्षरता और संख्यात्मकता, यानी बुनियादी पाठ को पढ़ने और समझने की क्षमता हासिल नहीं कर पाया है।

लक्ष्य:
2026-27 तक प्रत्येक छात्र कक्षा 3 तक मूलभूत साक्षरता और संख्यात्मक ज्ञान प्राप्त कर लेगा।

पहला कदम: शिक्षा मंत्रालय (**MoE**) द्वारा मूलभूत साक्षरता और संख्यात्मकता पर एक राष्ट्रीय मिशन स्थापित किया गया है - **NIPUN** भारत मिशन

- शिक्षकों के रिक्त पद जल्द से जल्द भरे जायेंगे
- प्रत्येक स्कूल के स्तर पर 30:1 से कम का छात्र-शिक्षक अनुपात (पीटीआर) सुनिश्चित किया जाएगा; बुनियादी पाठ को पढ़ने और समझने की क्षमता के लिए सामाजिक-आर्थिक रूप से वंचित छात्रों का अनुपात 25:1 से कम के पीटीआर का होगा।

निपुण भारत मिशन

लक्षित समूह- प्री-स्कूल से लेकर कक्षा 3 तक के **3 से 9** वर्ष के बच्चे।

मिशन के लक्ष्यों और उद्देश्यों को सभी सरकारी, सरकारी अनुदानों से संचालित और निजी स्कूलों द्वारा प्राप्त किया जाना आवश्यक है, ताकि 2026-27 तक मूलभूत साक्षरता और संख्यात्मकता (एफएलएन) कौशल का व्यापक अधिग्रहण हासिल किया जा सके।

एनसीईआरटी द्वारा निष्ठा (NISHTHA)- **स्कूल प्रमुखों और शिक्षकों की समग्र उन्नति** के लिए राष्ट्रीय पहल- के तहत मूलभूत साक्षरता और संख्यात्मकता के लिए एक विशेष पैकेज विकसित किया जा रहा है। प्री-प्राइमरी से प्राइमरी कक्षा में पढ़ाने वाले लगभग **25 लाख शिक्षकों** को एफएलएन पर प्रशिक्षित किया जाएगा।

इसके लक्ष्य एनसीईआरटी और अंतर्राष्ट्रीय अनुसंधान और ऑब्जर्वर रिसर्च फाउंडेशन (ओआरएफ) के अध्ययनों द्वारा विकसित सीखने के परिणामों पर आधारित हैं। उदाहरण के लिए, एक बच्चे को ग्रेड 2 और 3 के अंत तक क्रमश: 45 से 60 शब्द प्रति मिनट और कम से कम 60 शब्द प्रति मिनट सही ढंग से पढ़ने में सक्षम होना चाहिए।

लक्ष्य:

मिशन के सीखने के लक्ष्य

01 स्टेप

बालवाटिका
- 10 तक के अंकों को पहचानना और पढ़ना
- संख्याओं/वस्तुओं/आकृतियों/घटनाओं के आयोजन को क्रम में व्यवस्थित करना
- अक्षरों और संगत ध्वनियों को पहचानना
- वर्णमाला के कम से कम 2-3 अक्षरों वाले सरल शब्दों को पढ़ना

02 स्टेप

कक्षा 1
- 99 तक की संख्याओं को पढ़ना और लिखना
- सरल जोड़ और घटाव करना
- कम से कम 4-5 सरल शब्दों वाले छोटे वाक्य पढ़ना

03 स्टेप

कक्षा 2
- 999 तक की संख्याओं को पढ़ना और लिखना
- 99 तक की संख्याओं को घटाना
- प्रति मिनट 45-60 शब्द अर्थ सहित पढ़ना

04 स्टेप

कक्षा 3
- सरल गुणन समस्याओं को हल करना
- कम से कम 60 शब्द प्रति मिनट अर्थ सहित पढ़ना

शिक्षा का संकट:
मूलभूत साक्षरता और संख्यात्मकता

- **स्कूल की तैयारी:** सभी ग्रेड 1 के छात्रों के लिए एक अंतरिम 3 महीने का खेल-आधारित **'स्कूल तैयारी मॉड्यूल'** विकसित किया जाएगा। इसमें अक्षर, ध्वनि, शब्द, आकार और संख्याओं से संबंधित क्रिया-कलाप और कार्यपुस्तिकाएं शामिल होंगे। सीखने की इस प्रक्रिया में सहपाठियों और अभिभावकों की भागीदारी होगी। इन्हें एनसीईआरटी और एससीईआरटी द्वारा विकसित किया जाएगा।

- मूलभूत साक्षरता और संख्यात्मकता पर उच्च गुणवत्ता वाले संसाधनों का एक राष्ट्रीय भंडार **डिजिटल इन्फ्रास्ट्रक्चर फॉर नॉलेज शेयरिंग** (दीक्षा) पर उपलब्ध कराया गया है।

एक दीक्षा, अनेक केन्द्रीय और राज्य कार्यक्रम

शिक्षा का संकट:
मूलभूत साक्षरता और संख्यात्मकता

- **सहकर्मी-शिक्षण** और **स्वयंसेवी गतिविधियों** को बढ़ावा देने के लिए नवीन मॉडल तैयार करना

- सभी स्तरों पर छात्रों के लिए **प्रेरणादायक पुस्तकें** विकसित की जाएंगी। इनमें सभी स्थानीय और **भारतीय भाषाओं** में **उच्च गुणवत्ता** वाले अनुवाद शामिल होंगे।

- **डिजिटल लाइब्रेरी** की भी स्थापना की जाएगी।

- **एक राष्ट्रीय पुस्तक संवर्धन नीति** तैयार की जाएगी, और विभिन्न भौगोलिक, भाषाओं, स्तरों और शैलियों में पुस्तकों की उपलब्धता, पहुंच, गुणवत्ता और पाठक संख्या सुनिश्चित करने के लिए व्यापक पहल की जाएगी।

- सभी स्कूली बच्चों को **नियमित स्वास्थ्य जांच** से गुजरना होगा। विशेष रूप से स्कूलों में 100% टीकाकरण के लिए और इसकी निगरानी के लिए **स्वास्थ्य कार्ड** जारी किए जाएंगे ताकि बच्चों की शिक्षा में कोई समझौता न हो।

NEP के पथ पर अग्रसर

LEAD में, छात्र अंग्रेजी और हिंदी को विषयों के रूप में नहीं सीखते हैं, वे उन्हें कौशल के रूप में सीखते हैं।

हमारे **अंग्रेजी भाषा और सामान्य जागरूकता (ईएलजीए) और संपूर्ण हिंदी** से जुड़े कार्यक्रम की रचना इस तरह से की गई है कि प्रत्येक बच्चा हमारी **कौशल-आधारित कक्षाओं** में **एक समूह में सीखता है**। संपूर्ण पाठ्यक्रम को **21 स्तरों** में विभाजित किया गया है।

कार्यक्रम पाँच प्राथमिक घटकों से मिलकर बने होते हैं
- फोनिक्स
- पूर्ण शब्द
- समझ
- व्याकरण
- अभिव्यक्ति

LEAD में प्रत्येक बच्चा मूलभूत साक्षरता और संख्यात्मकता में आगे रहते हुए,
एक समय में एक स्तर पर अपनी गति से सीखता है।

अधिक जानकारी के लिए हमारी वेबसाइट पर जाएँ

NEP के पथ पर अग्रसर

NEP 2020 भविष्य के लिए तैयार भारत के लिए गणितीय कौशल को बढ़ाने पर केंद्रित है। **LEAD** में हम गणित में मजबूत आधार बनाने के लिए **CPA** पद्धति का पालन करते हैं।

कंक्रीट: ब्लॉक, पासा, गेंद जैसी भौतिक वस्तुओं का उपयोग करके सभी अवधारणाओं को छूने और महसूस करने की विधि।

पिक्टोरियल: गणित की समस्याओं को हल करने के लिए उपयोग में लाई जाने वाली आकृतियाँ और चित्र

एब्सट्रैक्ट: मजबूत आधार के साथ, बच्चे संख्याओं और प्रतीकों का उपयोग करके गणित की समस्याओं को हल करते हैं।

अधिक जानकारी के लिए कृपया हमारी वेबसाइट का अवलोकन करें

स्कूल शिक्षा अधूरी छोड़ने की दरों में कमी लाना

लक्ष्य	समस्या	पहला कदम
समग्र शिक्षा और शिक्षा का अधिकार जैसे उपायों से 2030 तक प्री-स्कूल से माध्यमिक स्तर तक **100% सकल नामांकन अनुपात** (जीईआर) प्राप्त करना।	**विभिन्न सामाजिक-सांस्कृतिक, लिंग आधारित, सामाजिक-आर्थिक कारकों** आदि से स्कूल छोड़ना 'सभी के लिए समान शिक्षा' के उद्देश्य को प्राप्त करने में एक बाधा है। ग्रेड 6-8 के लिए जीईआर 90.9% था, जबकि ग्रेड 9-10 और 11-12 के लिए यह क्रमश: 79.3% और 56.5% था। यह ग्रेड 5 और ग्रेड 8 के बाद अधिकतम ड्रॉपआउट का संकेत देता है।	सभी छात्रों के लिए सीखने की सुविधा के लिए, एसईडीजी पर जोर देते हुए, औपचारिक और गैर-औपचारिक शिक्षा के तरीकों को बढ़ावा दिया जाएगा। **राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान** (एनआईओएस) और राज्य मुक्त विद्यालयों द्वारा प्रस्तावित **मुक्त और दूरस्थ शिक्षा** (ओडीएल) कार्यक्रमों का विस्तार और सुदृढ़ीकरण किया जाएगा। इससे भारत में उन युवाओं की सीखने की जरूरतें पूरी हो सकेंगी जो किसी कारण से विद्यालय आने की स्थिति में नहीं हैं।

छात्रों के पास ग्रेड 10 के बाद बाहर निकलने और ग्रेड 11-12 में उपलब्ध व्यावसायिक या किसी अन्य पाठ्यक्रम को आगे बढ़ाने के लिए अगले चरण में **फिर से प्रवेश** करने का विकल्प रहेगा।

पाठ्यक्रम का एकीकरण

- आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, डिज़ाइन थिंकिंग, समग्र स्वास्थ्य, ऑर्गेनिक जीवन, पर्यावरण शिक्षा, वैश्विक नागरिकता शिक्षा (जीसीईडी), आदि जैसे **समसामयिक विषयों** सहित समन्वित पाठ्यक्रम और शैक्षणिक पहल को बढ़ाया जाएगा।

- **गणित और कंप्यूटेशनल सोच** पर अधिक जोर दिया जाएगा।

- **कोडिंग** से जुड़े क्रिया-कलाप मध्य चरण में शुरू किए जाएंगे।

- ग्रेड 6-8 के दौरान प्रत्येक छात्र एक मनोरंजक पाठ्यक्रम लेगा, जिससे उसे **स्थानीय कौशल आवश्यकताओं** के अनुसार बढ़ईगीरी, बिजली का काम, धातु का काम आदि जैसे महत्वपूर्ण व्यावसायिक शिल्पों का व्यावहारिक अनुभव प्राप्त होगा।

LEAD के साथ भविष्य

CCS के साथ कोडिंग में विशेषज्ञता (कोडिंग और कंप्यूटेशनल कौशल)

वास्तविक जीवन से जुड़ाव - वास्तविक जीवन की अवधारणाओं को पाठ्यक्रम में एकीकृत किया जाता है। जैसे - कक्षा 3 का छात्र स्क्रैच जूनियर पर भूलभुलैया (मेज़) जैसे गेम बनाता है।

यूज़-थिंक-बिल्ड पद्धति - छात्र सीखता है कि ऐप का उपयोग कैसे करें, एल्गोरिदम का उपयोग करके तार्किक रूप से कैसे सोचें और ऐप, गेम, वेबसाइट आदि कैसे बनाएं।

प्रोजेक्ट आधारित - छात्र 5-6 प्रोजेक्ट बनाते हैं; जैसे- वेबसाइट, गेम (टिक-टैक-टो, सांप और सीढ़ी आदि)

ज्यादा जानकारी के लिए कृपया हमारी वेबसाइट का अवलोकन करें।

परिवर्तनकारी मूल्यांकन

मुख्य रूप से रटने के कौशल की जांच करने वाले **योगात्मक रूप** का एक अधिक नियमित और रचनात्मक पैटर्न में बदलाव होगा। यह योग्यता-आधारित है, सीखने और विकास को बढ़ावा देता है और विश्लेषण, आलोचनात्मक सोच और वैचारिक स्पष्टता जैसे उच्च-स्तर के कौशल की परख करता है।

प्रगति कार्ड एक **360-डिग्री, बहुआयामी रिपोर्ट** होगी जो संज्ञानात्मक, सक्रिय और साइकोमोटर डोमेन में शिक्षार्थी की विशिष्टता को दर्शाती है।

इसमें **स्व-मूल्यांकन** और **सहपाठी मूल्यांकन**, प्रोजेक्ट-आधारित और पूछताछ-आधारित शिक्षा, क्विज़, रोल प्ले, ग्रुप वर्क, पोर्टफोलियो आदि में बच्चे की प्रगति शामिल होगी।

	योगात्मक पद्धति	रचनात्मक पद्धति
नियमित अंतराल पर परीक्षण	✗	✓
रट कर याद करना	✓	✗
विश्लेषणात्मक कौशल, आलोचनात्मक सोच और वैचारिक स्पष्टता का परीक्षण करना	✗	✓
समग्र विकास को बढ़ावा देना	✗	✓

परख

राष्ट्रीय मूल्यांकन केंद्र, परख का गठन: छात्र विकास के लिए परिवर्तनकारी मूल्यांकन

सभी मान्यता प्राप्त स्कूल बोर्डों के आकलन और मूल्यांकन के लिए मानक निर्धारण

राष्ट्रीय उपलब्धि सर्वेक्षण (एनएएस) शुरू करना

राज्य उपलब्धि सर्वेक्षण (एसएएस) का मार्गदर्शन

बोर्ड ऑफ असेसमेंट (बीओए) का मार्गदर्शन

देश भर में सीखने के परिणामों की निगरानी

मूल्यांकन उपकरण को मूलभूत चरण से लेकर उच्च शिक्षा तक प्रत्येक विषय के लिए सीखने के परिणामों, क्षमताओं, रुचियों और स्वभाव के साथ जोड़ा जाना चाहिए।

सीखने की अक्षमता वाले सभी छात्रों के लिए समान पहुंच और अवसर सुनिश्चित करने हेतु परख दिशानिर्देश तैयार करेगा।

PARAKH अधिक योग्यता आधारित मूल्यांकन के लिए सभी परीक्षा बोर्डों का मार्गदर्शन करेगा।

बोर्ड परीक्षाएं

परीक्षाओं को भी 'आसान' बनाया जाएगा। वे 'कोचिंग संस्कृति' को खत्म करने के लिए मुख्य रूप से मुख्य दक्षताओं का परीक्षण करेंगे।

बोर्ड परीक्षाओं के ऊंचे जोखिम को खत्म करने के लिए छात्रों को किसी भी **वर्ष में दो बार बोर्ड परीक्षा** देने की अनुमति दी जाएगी।

कुछ विषयों की बोर्ड परीक्षाओं को नए सिरे से तैयार किया जा सकता है। बोर्ड परीक्षा के प्रश्न दो प्रकार के हो सकते हैं:

- **बहुविकल्पीय प्रश्नों** के साथ **वस्तुनिष्ठ** प्रकार
- **वर्णनात्मक** प्रकार

राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) प्रवेश परीक्षाओं की तैयारी के लिए हर साल कम से कम दो बार उच्च गुणवत्ता वाली सामान्य योग्यता परीक्षा लेगी। इसके साथ-साथ विभिन्न विषयों में विशेष सामान्य विषय परीक्षा की पेशकश करेगी।

शिक्षक

यह सुनिश्चित करना कि उत्कृष्ट छात्र शिक्षण पेशे में प्रवेश करें

- विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों से **4 वर्षीय एकीकृत बी.एड.** की गुणवत्तापूर्ण पढ़ाई के लिए देश भर में बड़ी संख्या में **योग्यता-आधारित छात्रवृत्तियां** शुरू की जाएंगी (2030 तक न्यूनतम योग्यता की डिग्री)
- विशेष रूप से **महिला छात्रों** के लिए उनके स्थानीय क्षेत्रों में अधिमान्य रोजगार
- **ग्रामीण स्कूलों** में पढ़ाने के लिए एक प्रमुख प्रोत्साहन के रूप में स्कूल परिसर के आसपास आवास का प्रावधान या आवास भत्ते में वृद्धि होगी।
- अत्यधिक शिक्षकों के **तबादले** रुकेंगे
- **शिक्षक पात्रता परीक्षा (टीईटी)** को मजबूत किया जाएगा
- शिक्षक भर्ती के लिए **टीईटी** या **एनटीए** टेस्ट स्कोर को भी ध्यान में रखा जाएगा
- घटिया स्तर के स्टैंड-अलोन शिक्षक शिक्षा संस्थानों **(टीईआई)** के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

सतत व्यावसायिक विकास (सीपीडी) और करियर प्रबंधन और प्रगति (सीएमपी)

- प्लेटफॉर्म (ऑनलाइन भी) विकसित किए जाएंगे ताकि शिक्षक **आइडियाज और सर्वोत्तम प्रैक्टिसेस** साझा कर सकें
- प्रत्येक शिक्षक से **हर साल** कम से कम 50 घंटे के **सीपीडी अवसरों** में भाग लेने की अपेक्षा की जाएगी
- स्कूल के प्रधानाध्यापकों और स्कूल परिसर के नेताओं के पास समान मॉड्यूलर नेतृत्व/प्रबंधन कार्यशालाएँ होंगी
- कार्यकाल, पदोन्नति और वेतन संरचना की एक मजबूत **योग्यता-आधारित संरचना** विकसित की जाएगी, जो उत्कृष्ट शिक्षकों को प्रोत्साहन और पहचान देगी
- योग्यता के आधार पर शिक्षकों की **ऊर्ध्वाधर गतिशीलता** भी सर्वोपरि होगी
- प्रदर्शित नेतृत्व और प्रबंधन कौशल वाले उत्कृष्ट शिक्षकों को **अकादमिक नेतृत्व** के पद लेने के लिए समय-समय पर **प्रशिक्षित** किया जाएगा

LEAD एकैडमी सर्टिफिकेशन प्रोग्राम

LEAD एकैडमी हमारे शिक्षकों को प्रशिक्षण और विकास की मदद से अपने वर्ग में सर्वश्रेष्ठ बनने और अपने खेल में शीर्ष पर बने रहने के लिए तैयार करने के LEAD के अथक प्रयासों की परिणति है। इसमें मोटे तौर पर शामिल हैं:

- शिक्षकों और स्कूल के शीर्ष पदाधिकारियों के लिए 3 साल का प्रमाणन कार्यक्रम
- शिक्षक विकास कार्यशालाएँ
- वेबिनार के माध्यम से ऑनलाइन प्रशिक्षण

अधिक जानकारी के लिए हमारी वेबसाइट का अवलोकन करें

शासन
एवं एसईडीजी

हालांकि सरकारी नीतियों ने स्कूली शिक्षा में लिंग और सामाजिक श्रेणी के अंतर को पाटने की दिशा में लगातार काम किया है, लेकिन विशेष रूप से सामाजिक-आर्थिक रूप से वंचित समूहों (एसईडीजी) के लिए बड़ी असमानताएं अभी भी बनी हुई हैं।

कुछ एसईडीजी के लिए विशेष रूप से प्रभावी छात्रवृत्ति, योजनाओं और उपायों को ध्यान में रखा जाएगा। जैसे - साइकिल और पैदल चलने वाले समूह महिला भागीदारी को बढ़ावा देते हैं।

सरकार सभी लड़कियों और ट्रांसजेंडर छात्रों के लिए एक **'लिंग-समावेशन कोष'** का गठन करेगी।

सारांश NEP 2020

- शिक्षार्थियों का समग्र विकास, अनुभव आधारित पढ़ाना-पढ़ना, कला-एकीकृत औरखेल-एकीकृत शिक्षा; गेमिफ़िकेशन और ऐप्स के माध्यम से सीखना
- नई शिक्षा प्रणाली में **10+2 संरचना** के बजाय **5+3+3+4** संरचना होगी
- **कक्षा 3** तक के सभी छात्रों के लिए **मूलभूत साक्षरता और संख्यात्मकता (एफएलएन)** हासिल करने के लिए **निपुण भारत मिशन** लॉन्च किया गया, **निष्ठा** लॉन्च की गई
- एफएलएन पर उच्च गुणवत्ता वाले संसाधनों का एक राष्ट्रीय भंडार **डिजिटल इन्फ्रास्ट्रक्चर फॉर नॉलेज शेयरिंग (दीक्षा)** पर उपलब्ध है।
- सीखने और आलोचनात्मक सोच को बढ़ाने के लिए **पाठ्यक्रम को कम** किया गया, बोर्ड परीक्षाएं हुईं आसान
- आज की 'कोचिंग संस्कृति' को समाप्त करने के लिए सीखने के लिए नियमित **रचनात्मक मूल्यांकन** पर जोर, **परख** लॉन्च किया गया
- पाठ्यक्रम विकल्पों में लचीलेपन, **बहुभाषावाद** और भाषा के सामर्थ्य के माध्यम से छात्रों को सशक्त बनाया जाएगा- शिक्षकों को **द्विभाषी** तरीका अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा
- फ्रेंच, जर्मन आदि विदेशी भाषाओं की भी पेशकश की जाएगी
- **सामाजिक-आर्थिक रूप से वंचित समूहों (एसईडीजी)** के लिए योजनाएं और नीतियां शुरू की गईं

LEAD के साथ भविष्य के लिए तैयार

- विशेष स्टूडेंट एवं टीचर ऐप
- मिश्रित शिक्षा- पुस्तक + डिजिटल
- अनुभवात्मक शिक्षण मॉडल
- खेल-आधारित शिक्षा
- LEAD मास्टरक्लास, एक विशेष श्रृंखला जो छात्रों को प्रमुख विशेषज्ञों और व्यक्तित्वों से सीखने में सहायक होती है
- राष्ट्रीय स्तर के आयोजन और चैंपियनशिप
- राष्ट्रीय स्तर के मूल्यांकन
- गहन शोध और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बेंचमार्क किया गया पाठ्यक्रम

अधिक जानकारी के लिए कृपया हमारी वेबसाइट पर जाएं

NEP 2020 में कार्यान्वयन की समय सीमा

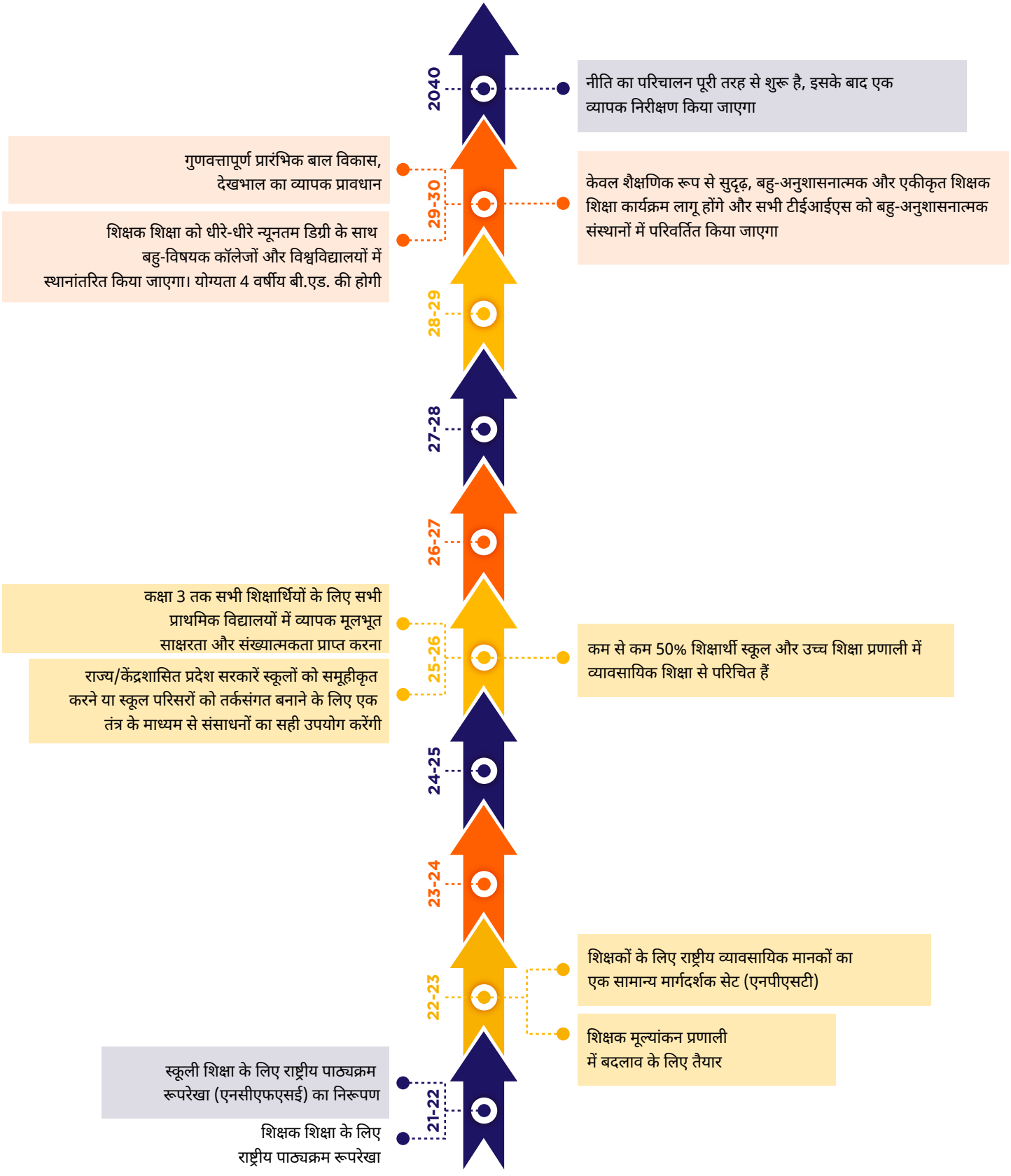

संस्थापक का संदेश

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के सिद्धांत इस बात को मान्य करते हैं कि हम इतने वर्षों से क्या करने की कोशिश कर रहे हैं - शिक्षा का उद्देश्य सक्षम वयस्कों, जिम्मेदार नागरिकों और अच्छे इंसानों का विकास करना है।

1) ईसीसीई: सीखने की नींव

ईसीसीई तक सबकी पहुंच लंबे समय से लंबित है। इससे पूरे देश में मानकीकृत परिणाम सामने आएंगे। यह अच्छी बात है।

2) एफएलएन: सीखने के लिए एक महत्वपूर्ण और आवश्यक शर्त

इरादे नेक हैं। हालाँकि, लक्ष्य को साक्षरता और संख्यात्मक कौशल के निम्नतम विभाजक तक कम करने के बजाय, हमें परिणामों के संदर्भ में वैश्विक सर्वश्रेष्ठता का बेंचमार्क रखना चाहिए और फिर निश्चित रूप से शिक्षणशास्त्र और उपकरणों को प्रासंगिक बनाना चाहिए।

3) स्कूली शिक्षा अधूरी छोड़ने की दरों में कटौती

वंचितों और हाशिए पर खड़े लोगों तक पहुंचने के लिए ओपन एंड डिस्टेंस लर्निंग और नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ ओपन स्कूल को मजबूत करना होगा। COVID-19 की वजह से लागू हुए लॉकडाउन के दौरान, हमने ऑनलाइन सीखने का सामर्थ्य देखा है। आवश्यक शर्तों में नरमी लाते हुए प्राइवेट प्लेयर्स के लिए स्कूल शुरू करना आसान बनाना एक स्वागत योग्य कदम होगा।

4) स्कूली पाठ्यक्रम का नए ढंग से पुनर्गठन (5+3+3+4)

कक्षा 1 और 2 को प्री-प्राइमरी के साथ मूलभूत आधार पर जोड़ना यह संकेत दे रहा है कि सीखने की प्रकृति अनुभवों पर आधारित और ठोस होनी चाहिए। इसे धीरे-धीरे ठोस से चित्रात्मक से अमूर्त की ओर बढ़ना चाहिए क्योंकि छात्र फाउंडेशनल से प्रिपरेटरी से मिडिल से हाई की ओर बढ़ते हैं।

5) स्कूलों में पाठ्यक्रम और शिक्षणशास्त्र

सीखना समग्र, एकीकृत, समावेशी, आनंददायक और ध्यान आकर्षित करने वाला होना चाहिए। रटने से वास्तविक समझ की ओर बढ़ने की नीति सही है। अगर इसके समर्थन में पाठ्यक्रम का बोझ कम किया जाए, तो वह उचित है। हम वर्षों से इसकी वकालत कर रहे हैं। माध्यमिक विद्यालय में चयन का विचार एक और विचार है जिसकी हम अनुशंसा कर रहे हैं।

6) बहुभाषावाद और भाषा का सामर्थ्य

स्थानीय भाषाओं, भारत की बहुभाषावाद के प्रति जागरूकता पर स्पष्ट जोर दिया गया है। भारत की भाषाओं के बारे में जागरूकता बढ़ाने का उद्देश्य रखने वाला मिडिल स्कूल प्रोजेक्ट प्रशंसनीय है।

7) आवश्यक विषयों और कौशलों का पाठ्यक्रम एकीकरण

बुनियादी न्यूनतम परिणामों का निर्माण स्वागतयोग्य है। इससे यह सुनिश्चित होगा कि भारत में सभी छात्र कम से कम उस न्यूनतम स्तर को प्राप्त करें। एआई, डिज़ाइन थिंकिंग, ऑर्गेनिक लिविंग जैसे समसामयिक विषयों से परिचय कराना एक अच्छा कदम है।

8) छात्रों के विकास के लिए मूल्यांकन के तरीके में परिवर्तन

मूल्यांकन का लक्ष्य और उद्देश्य रटकर सीखने के परीक्षण से हटकर सीखने में सहायता करना, शिक्षकों को अपने अभ्यास को संशोधित करने और सुधार करने में मदद करना एक महान कदम है।

9) शिक्षक

बी.एड कार्यक्रमों को बहु-विषयक कॉलेजों और विश्वविद्यालयों में स्थानांतरित करना गुणवत्ता में सुधार के लिए एक बड़ा कदम है। बुनियादी आवश्यकताओं की पूर्ति सुनिश्चित करने के बारे में अच्छी तरह से सोचते हुए विभिन्न पाठ्यक्रम अवधियों में लचीलापन लाना भी एक बड़ी शुरुआत है।

Leadership Boulevard Private Limited
Kanakia Wall Street, Unit No 1201 - 1205, 12th Floor, B Wing,
Near Chakala Signal, Mulgaon, Andheri East, Mumbai - 400093

M: +91 86828 33333 | E: partner@leadschool.in

www.leadschool.in